॥ श्री गणेशाय नमः ॥

जन्मपत्रिका

Vijay
20/04/1990 10:50 AM
Mumbai

निर्मित
astrologyAPI

सामान्य कुंडली विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	20/04/1990
जन्म समय	10:50
जन्म स्थान	Mumbai
अक्षांश	25 N 44
देशांतर	82 E 41
समय क्षेत्र	+05:30
अयनांश	23:43:18
सूर्योदय	5:32:14
सूर्यास्त	18:24:36

घात चक्र

महीना	आषाढ़
तिथि	2,7,12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
चंद्र	9

पंचांग विवरण

तिथि	कृष्ण दशमी
योग	शुभ
नक्षत्र	धनिष्ठा
करण	वणिजा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
योनि	सिंह
गण	राक्षस
नाड़ी	मध्य
जन्म राशि	मकर
राशि स्वामी	शनि
नक्षत्र	धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
चरण	2
युञ्जा	प्रभाग
तत्त्व	पृथ्वी
नामाक्षर	गी
पाया	ताम्ब्र
लग्न	मिथुन
लग्न स्वामी	बुध

ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	मेष	06:08:55	मंगल	अश्विनी	केतु	11
चन्द्र	--	मकर	29:12:03	शनि	धनिष्ठा	मंगल	8
मंगल	--	कुम्भ	05:45:04	शनि	धनिष्ठा	मंगल	9
बुध	--	मेष	23:20:28	मंगल	भरणी	शुक्र	11
गुरु	--	मिथुन	11:30:11	बुध	आर्द्रा	राहु	1
शुक्र	--	कुम्भ	20:54:09	शनि	पूर्व भाद्रपद	गुरु	9
शनि	--	मकर	01:26:10	शनि	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	8
राहु	हाँ	मकर	18:57:10	शनि	श्रावण	चन्द्र	8
केतु	हाँ	कर्क	18:57:10	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	2
लग्न	--	मिथुन	26:32:03	बुध	पुनर्वसु	गुरु	1

सूर्य
मेष
अश्विनी
हानिप्रद

चन्द्र
मकर
धनिष्ठा
सम

मंगल
कुम्भ
धनिष्ठा
हानिप्रद

बुध
मेष
भरणी
सम

गुरु
मिथुन
आर्द्रा
हानिप्रद

शुक्र
कुम्भ
पूर्व भाद्रपद
योगकारक

शनि
मकर
उत्तर षाढ़ा
लाभप्रद

राहु
मकर
श्रावण
--

केतु
कर्क
अश्लेषा
--

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

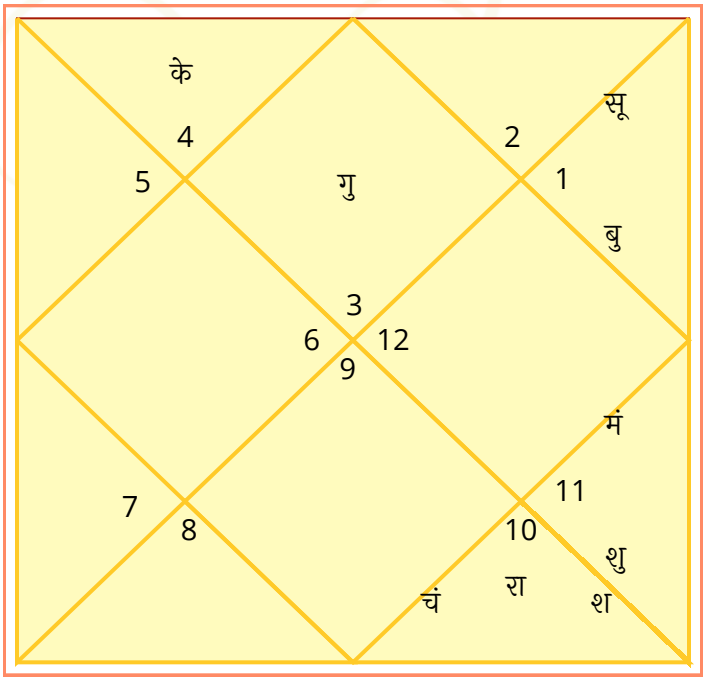

व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

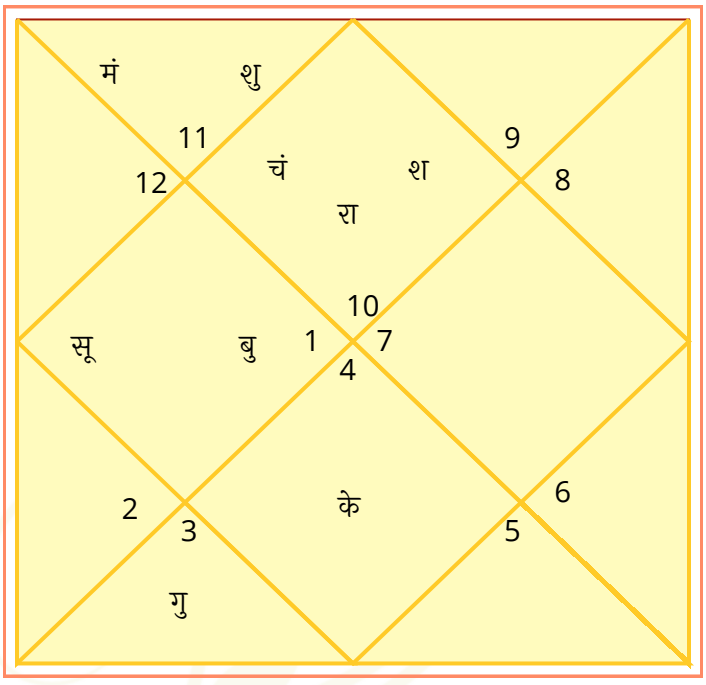

चंद्र कुंडली

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

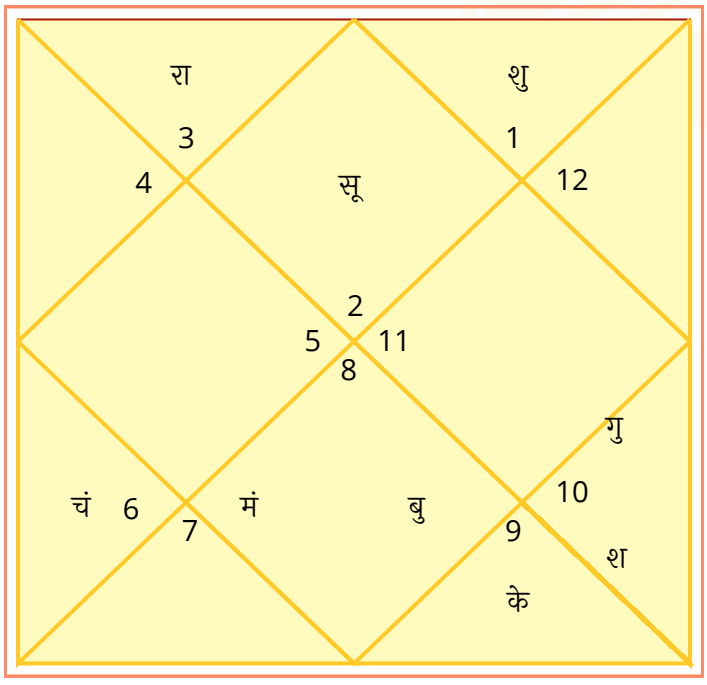

नवमांश कुंडली

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।

विम्शोत्तरी दशा - I

मंगल

22-03-1987 07:03
22-03-1994 01:03

मंगल	18-08-1987 10:30
राहु	04-09-1988 22:48
गुरु	11-08-1989 20:24
शनि	20-09-1990 16:03
बुध	17-09-1991 21:00
केतु	14-02-1992 00:27
शुक्र	15-04-1993 03:27
सूर्य	20-08-1993 23:33
चन्द्र	22-03-1994 01:03

राहु

22-03-1994 01:03
21-03-2012 13:03

राहु	02-12-1996 05:15
गुरु	27-04-1999 19:39
शनि	03-03-2002 18:45
बुध	20-09-2004 04:03
केतु	08-10-2005 16:21
शुक्र	08-10-2008 10:21
सूर्य	02-09-2009 03:45
चन्द्र	04-03-2011 00:45
मंगल	21-03-2012 13:03

गुरु

21-03-2012 13:03
21-03-2028 13:03

गुरु	09-05-2014 17:51
शनि	20-11-2016 01:03
बुध	25-02-2019 22:39
केतु	01-02-2020 20:15
शुक्र	02-10-2022 20:15
सूर्य	22-07-2023 01:03
चन्द्र	20-11-2024 01:03
मंगल	26-10-2025 22:39
राहु	21-03-2028 13:03

शनि

21-03-2028 13:03
22-03-2047 07:03

शनि	25-03-2031 08:06
बुध	02-12-2033 11:15
केतु	11-01-2035 06:54
शुक्र	12-03-2038 21:54
सूर्य	22-02-2039 21:36
चन्द्र	23-09-2040 05:06
मंगल	02-11-2041 00:45
राहु	07-09-2044 23:51
गुरु	22-03-2047 07:03

बुध

22-03-2047 07:03
21-03-2064 13:03

बुध	17-08-2049 22:30
केतु	15-08-2050 03:27
शुक्र	15-06-2053 00:27
सूर्य	21-04-2054 11:33
चन्द्र	20-09-2055 22:03
मंगल	17-09-2056 03:00
राहु	06-04-2059 12:18
गुरु	12-07-2061 09:54
शनि	21-03-2064 13:03

केतु

21-03-2064 13:03
22-03-2071 07:03

केतु	17-08-2064 16:30
शुक्र	17-10-2065 19:30
सूर्य	22-02-2066 15:36
चन्द्र	23-09-2066 17:06
मंगल	19-02-2067 20:33
राहु	09-03-2068 08:51
गुरु	13-02-2069 06:27
शनि	25-03-2070 02:06
बुध	22-03-2071 07:03

विम्शोत्तरी दशा - II

शुक्र		सूर्य		चन्द्र	
22-03-2071 07:03 22-03-2091 07:03		22-03-2091 07:03 21-03-2097 19:03		21-03-2097 19:03 23-03-2107 07:03	
शुक्र	21-07-2074 19:03	सूर्य	09-07-2091 20:51	चन्द्र	20-01-2098 04:03
सूर्य	22-07-2075 01:03	चन्द्र	08-01-2092 11:51	मंगल	21-08-2098 05:33
चन्द्र	21-03-2077 19:03	मंगल	15-05-2092 07:57	राहु	20-02-2100 02:33
मंगल	21-05-2078 22:03	राहु	09-04-2093 01:21	गुरु	22-06-2101 02:33
राहु	21-05-2081 16:03	गुरु	26-01-2094 06:09	शनि	21-01-2103 10:03
गुरु	20-01-2084 16:03	शनि	08-01-2095 05:51	बुध	21-06-2104 20:33
शनि	22-03-2087 07:03	बुध	14-11-2095 16:57	केतु	20-01-2105 22:03
बुध	20-01-2090 04:03	केतु	21-03-2096 13:03	शुक्र	21-09-2106 16:03
केतु	22-03-2091 07:03	शुक्र	21-03-2097 19:03	सूर्य	23-03-2107 07:03

वर्त्तमान दशा

दशा नाम	ग्रह	आरम्भ तिथि	सम्पति तिथि
महादशा	गुरु	21-03-2012 13:03	21-03-2028 13:03
अंतर्दशा	चन्द्र	22-07-2023 01:03	20-11-2024 01:03
प्रत्यंतर दशा	बुध	01-05-2024 03:03	09-07-2024 02:51
सूक्ष्म दशा	शनि	28-06-2024 04:41	09-07-2024 02:51

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

लग्न फल - मिथुन

स्वामी	बुध
प्रतीक	युगल
विशेषताएँ	वायु तत्त्व, द्विस्वभाव, पश्चिम
भाग्यशाली रत्न	नीलम
व्रत का दिन	पूर्णिमा

देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |
सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||

मिथुन लग्न के व्यक्ति मित्रवत, अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने में कुशल, मिलनसार, अस्थिरचित्त, अनिश्चित,एक समय पर एक साथ दो या अधिक कार्यों में रुचि लेने वाले, हाज़िर जवाब,बुद्धिमान , मानसिक रूप से अधिक सक्रिय ,अति-भावुक ,थोड़े तुनकमिज़ाज अशांत या घबरा जाने वाले , वाचाल , अगंभीर और हमेशा कुछ अलग करने के लिए तैयार रहने वाले होते हैं ।

मिथुन लग्न दो जुड़वाँ बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है,इसलिए आपके व्यक्तित्व के भी दो अलग अलग पक्ष हो सकते हैं । आप जो पहले से ही जानते हैं और उससे अधिक सीखने के लिए आपको यह बात लोगों तक पहुचाने की प्रबल आवश्यकता है।

> " आप पढ़ने और यात्रा करने में आनंद लेते हैं और इन दोनों कार्यों में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति की ढेरों संभावनाएं हैं । आपको विविधता पसंद है और ऐसा हो सकता है कि आप सभी कार्यों में थोड़े थोड़े निपुण हों लेकिन किसी भी कार्य में पूर्णतः प्रवीण ना हों।

आपका रुझान विस्तृत रूप से बातों के विस्तार में होगा लेकिन आप उनकी गहराई में जाने का प्रयत्न नहीं करेंगे । आप उपर से आत्मविश्वासपूर्ण दिखाई दे सकते हैं, लेकिन आप में आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता की कमी हो सकती है ।

आप को बोलना अच्छा लगता है ,अपने मुँह से और साथ ही हाथों के इस्तेमाल से ।

> “ मिथुन लग्न का स्वामी है बुध, इसलिए बुध आपकी कुंडली में महत्वपूर्ण होगा ।

सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

नियंत्रण: (सीखना और ऊर्जा बर्बाद करने की अपेक्षा उसकी प्राथमिकता को जानें)

सकारात्मक लक्षण

- प्रज्ञात्मक
- योजनाकार
- बहुमुखी अनुकूलनीय
- तार्किक

नकारात्मक लक्षण

- ढुलमुल मन
- अधीर
- गपशप करना
- तिकड़मबाज

Astrology API

https://www.astrologyapi.com
+91 (22) 35715833
mail@astrologyapi.com